**आदेश 14 नियम 5 सिविल प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत प्रार्थनापत्र**

**(Application under order 14, Rule 5 CPC)**

न्यायालय ............

वाद नंबर ............ सन् ............

अ०ब० स० ............ वादी

**बनाम**

स०द०फ० ............ प्रतिवादी

श्रीमान जी, प्रार्थी/प्रतिवादी निम्न प्रकार सविनय निवेदन करता है :

1. यह कि वाद में पक्षकारों के मध्य ............ का विवाद है [विवाद का संक्षिप्त विवरण दिया जावे

2. यह कि माननीय न्यायालय ने पक्षकारों के अभिकथनों से उत्पन्न विवाद के अनुसार विवादयक विरचित नहीं किये है अथवा ............ बिन्दु पर विवादयक विरचित होने से रह गया

भार प्रकट करते हुए किया गया है-नये विवादयक का विरचन अथवा विरचित विवादयक में संशोधन वाद के सही निर्णय हेतु परमावश्यक है .

3. यह कि यदि आवश्यक/अतिरिक्त विवादयक विरचित नहीं होते है अथवा विवादयक सं० ...... में संशोधन नहीं किया जाता है तो प्रतिवादी के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और वाद का स्वच्छ निस्तारण नहीं हो पायेगा।

अत: प्रार्थना है कि पक्षकारों की साक्ष्य से पूर्व अतिरिक्त विवादयक विरचित करने अथवा विरचित विवादयक सं०............. को संशोधित करने की कृपा करें।

**दिनांक ............ स्थान ............ प्रार्थी......**

**द्वारा अधिवक्ता.......**

**नोट** - शपथ-पत्र संलग्न किया जाना है ।।